अपने काम में अंतर्खंडीयता (इन्टरसेक्शनैलिटी) के सिद्धांतों को अपनाना

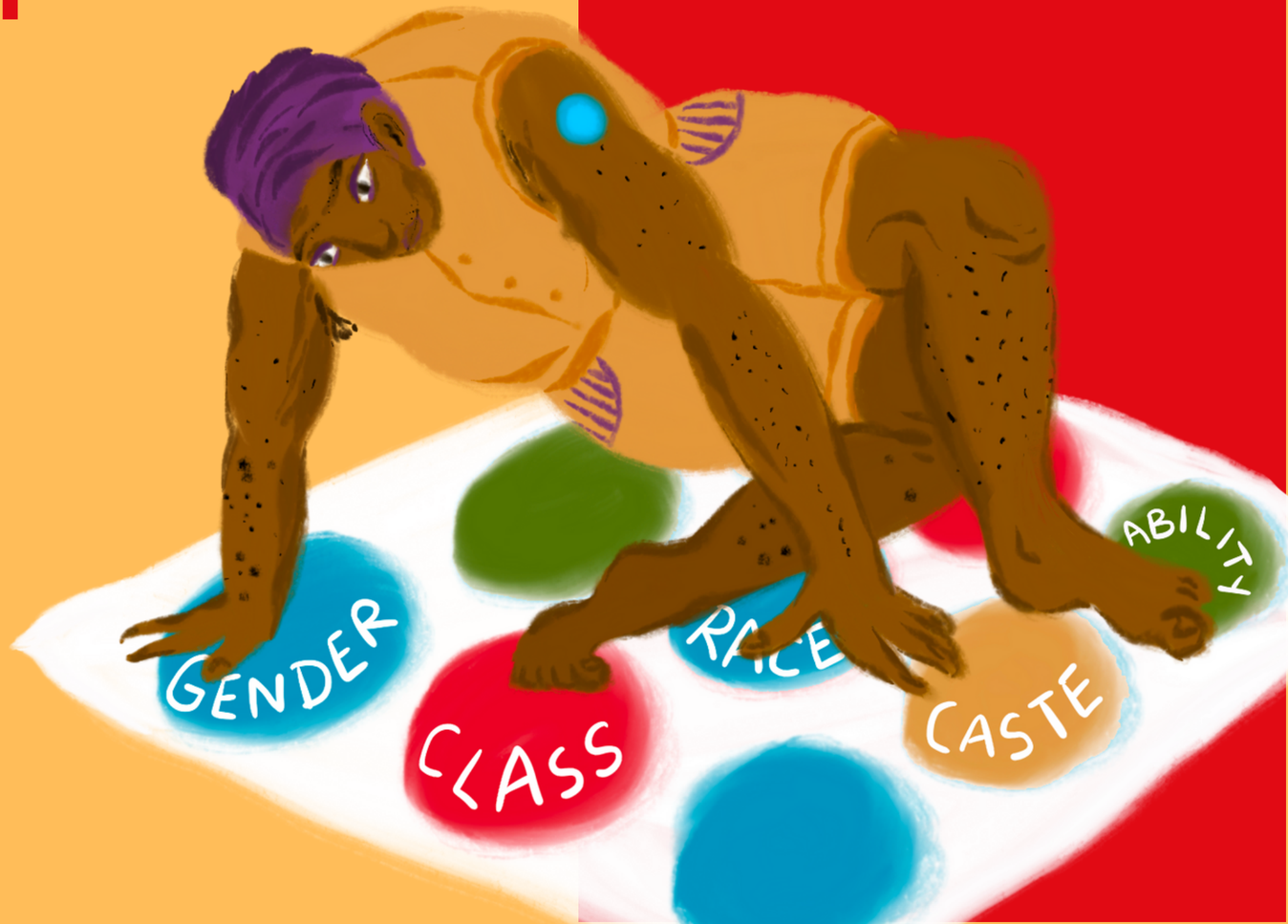

भविष्य के लिए अतीत से सीखना

अंतर्खंडीयता दृष्टिकोण उपयोग करने का मतलब है कि हम पिछले समय में जो कुछ भी हुआ हो उससे सीखते हुए आगे के लिए ऐसे रास्ते बनाएँ जिनमें कुल/वंश, लिंग (जेन्डर), जाति, जातीयता, सक्षमता, तथा अन्य हाशिये की पहचानों के बारे में समझ शामिल हो।

ऐतिहासिक सत्ता के ढांचे

इस दृष्टिकोण के अंतर्गत महत्वपूर्ण है कि दमन, अबराबरी और भेदभाव के ढांचों के बीच के जुड़ाव स्पष्ट हों, जिनमें पितृसत्ता, लिंगभेद और उपनिवेशिकारण भी शामिल हैं।

एक साधन के रूप में अंतर्खंडीय नारीवाद

सभी लोगों के लिए समान अधिकार और अवसर यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि अंतर्खंडीय नारीवादी उपकरणों का उपयोग किया जाए। यह सत्ता, पहचानों, सक्षमता को तोड़ कर समझने और दुनिया की सूक्ष्म समझ बनाने में मदद करता है।

एक प्रिज़म/लेंस के रूप में अंतर्खंडीयता

अंतर्खंडीयता की भाषा को किसी कोड के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता। दुनिया को देखने/समझने के लिए अंतर्खंडीयता के सिद्धांतों का एक प्रिज़्म के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। इसे लोगों के सजीव अनुभवों के आधार पर अनुकूल बनाते हुए, अन्य लोगों के साथ संपर्क बनाने और उन्हें संगठित करने के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।

भाषा का न्याय

अंतर्खंडीयता के काम में भाषा का न्याय अत्यंत महत्वपूर्ण है। अंग्रेजी के अलावा और कई भाषाएँ हैं जिससे हम एक दूसरे के साथ बातचीत करते हैं । इसको ज़हन में रखते हुए, हमें हमेशा भाषा के न्याय को महत्व देना है। अगर सभी क्षेत्रों से सभी आवाज़ों को शामिल न किया जाए, तो कुछ ही भाषाओं और अभिव्यक्तियों को विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं।

अर्थपूर्ण भागीदारी

अभी प्रतिनिधित्व पर्याप्त नहीं है। अर्थपूर्ण भागीदारी के लिए सत्ता के मुद्दे को संबोधित करना होगा, देखना होगा कि किसके मुद्दों पर ध्यान दिया जा रहा है, कौन साथ बैठ सकता है और कौन है जो शामिल होना नहीं चाहता।

समझ बढ़ाने के लिए सुनना

अंतर्खंडीयता के लिए ज़रूरी है कि सीखने और समझने के उद्देश्य से ध्यान देकर सुना जाए और ज़रूरत पड़ने पर सम्मानपूर्वक असहमति भी व्यक्त की जाए। यह लोगों के जीवन और स्थानीय अनुभवों पर आधारित होना चाहिए।

लचीलापन अपनाना

अंतर्खंडीयता पर काम करने के लिए बेहद लचीला होना ज़रूरी है। इसके लिए कार्यकर्ताओं को एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाना होगा – काम करें, सोचें, सुधारें, अभ्यास करें।

सिद्धांतों को व्यवहार में उतारना

सिद्धांत और व्यवहार एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और दोनों को जोड़ कर काम करना ज़रूरी है।

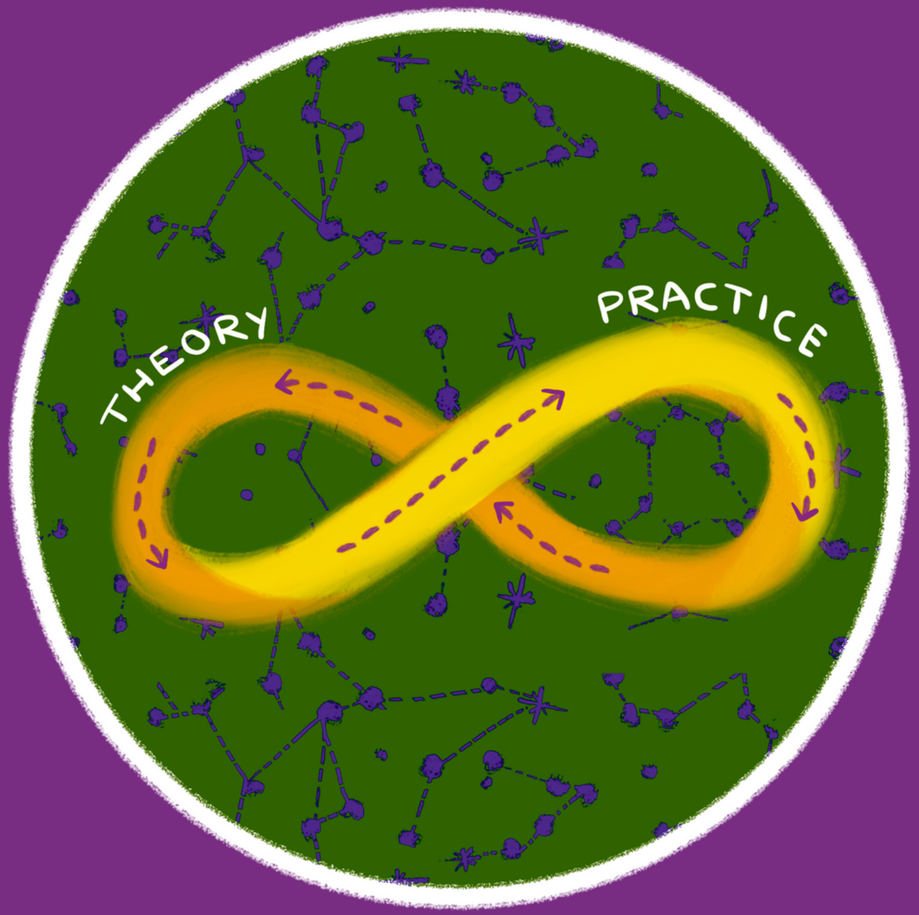

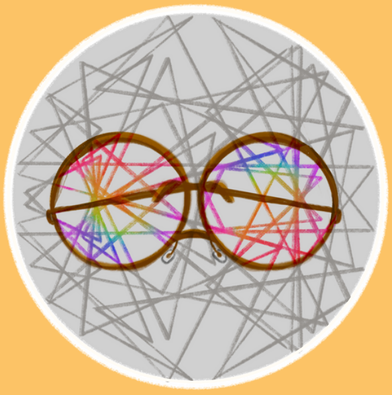

यह सिद्धांत प्रमदा मेनन द्वारा
रिड्यूसिंग इनिक्वालिटीज़ थ्रू इन्टरसेक्शनल प्रैक्टिस
कार्यक्रम से प्राप्त सीखों के आधार पर तैयार किए गए हैं।

कलाकृतियाँ: कृतिका एन.एस.
@theworkplacedoodler

द्वारा समर्थित
Robert Bosch Stiftung

हमारे भागीदारों के साथ सह-निर्माण में

Calala Fondo de Mujeres

Centre for Labour & Social Studies (CLASS)

Chayn and End Cyber Abuse

Cultivando Género

Dasra

Global Greengrants Fund UK

Institute for Economic Justice

Romani Phen e.V.

Superrr Lab SL

Universidad del Valle

Women in Migration Network

यह सिद्धांत प्रमदा मेनन द्वारा
रिड्यूसिंग इनिक्वालिटीज़ थ्रू इन्टरसेक्शनल प्रैक्टिस
कार्यक्रम से प्राप्त सीखों के आधार पर तैयार किए गए हैं।

कलाकृतियाँ: कृतिका एन.एस.
@theworkplacedoodler

द्वारा समर्थित
Robert Bosch Stiftung